

कला स्नातक (सामान्य) संस्कृत

(बी.ए.जी./बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.जी.-178 : प्राचीन भारतीय राजनीति

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

10×5=50

(i) प्राचीन भारतीय राजनीतिशास्त्र का परिचय देते हुए

दण्डनीति एवं धर्मशास्त्र पर प्रकाश डालिए।

- (ii) मनु एवं कौटिल्य के राजनैतिक चिन्तन को स्पष्ट कीजिए।
- (iii) प्राचीन भारतीय गणतंत्र का परिचय देते हुए बौद्ध साहित्य का वर्णन कीजिए।
- (iv) राज्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए राज्य के प्रकार पर प्रकाश डालिए।
- (v) 'अर्थशास्त्र' के आधार पर 'मंत्रिपरिषद्' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (vi) प्राचीन काल की ग्रामीण व्यवस्था का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (vii) मण्डल सिद्धान्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

8×5=40

- (i) प्राचीन भारत के इतिहास में राजनीतिक चिन्तन के क्या स्रोत थे ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
- (ii) सप्तांग सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
- (iii) रामायण एवं महाभारतकालीन नगर सभा का वर्णन कीजिए।
- (iv) धर्म के स्रोत का वर्णन कीजिए।
- (v) राजा की दैवी उत्पत्ति के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।
- (vi) 'मनुस्मृति' में वर्णित कर-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।
- (vii) निक्षेप से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ कीजिए :

5×2=10

(क) राजा के गुण

(ख) मत्स्य न्याय

(ग) षड्गुण

(घ) सामाजिक न्यायालय

× × × × × × ×